राष्ट्रीय संस्करण

CopyRight - Jagran.com

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 133

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, सोमवार, 21 अक्टूबर 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

रहाणे ने तीन साल बाद घरेलू जमीन पर जड़ा शतक

>> 14

पाक पर बड़ा प्रहार, 10 सैनिक और 20 से ज्यादा आतंकी ढेर

शहादत का बदला ▸ गुलाम कश्मीर में बोफोर्स और पिनाक से तबाह किए दहशतगर्दों के चार लांचिंग पैड

राज्य ब्यूरो, जम्मू

भारतीय सेना ने नियंत्रण रेखा पर उड़ी के टंगडार सेक्टर में अपने दो सैनिकों की शहादत और एक नागरिक की मौत का बदला चंद घंटों में लेते हुए पाकिस्तान को कड़ा सबक सिखाया है। भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक के बाद एक और बड़ी जवाबी कार्रवाई करते हुए गुलाम कश्मीर की नीलम और लीपा घाटी में आतंकियों के चार लांचिंग पैड को पूरी तरफ तबाह कर दिया। इस कार्रवाई में करीब 10 पाकिस्तानी सैनिकों के अलावा हिजबुल मुजाहिदीन और जैश-ए-मुहम्मद के 20 से 30 आतंकियों के मारे जाने की सूचना है। पाकिस्तानी सेना की दो बटालियन पंजाब रेजिमेंट और मुजाहिद रेजिमेंट को भारी नुकसान पहुंचा है।

भारत ने इस कार्रवाई में अपनी आर्टिलरी और मल्टी बैरल राकेट लांचर पिनाक के साथ बोफोर्स तोप का भी इस्तेमाल किया। देर शाम तक दोनों तरफ से रुक-रुककर गोलाबारी जारी थी। सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने सैन्य कार्रवाई के सिलसिले में पूरी जानकारी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को दी है। खास बात यह है कि भारत ने यह कार्रवाई ऐसे समय में की है जब भारतीय नौसेना अगले कुछ दिनों में अरब सागर में बड़ा सैन्य अभ्यास करने जा रही है।

- एथमुकाम स्थित पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय को भी पहुंचा नुकसान
- रविवार देर शाम तक दोनों तरफ से रुक-रुक कर जारी रही गोलाबारी
- सेना प्रमुख ने रक्षा मंत्री राजनाथ को दी सैन्य कार्रवाई की पूरी जानकारी

गुलाम कश्मीर की नीलम घाटी में भारतीय सेना की आर्टिलरी द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में तबाह हुए आतंकी कैंप। प्रेट्र

शनिवार रात हुई थी घुसपैठ की कोशिश : पाकिस्तानी सेना शनिवार रात से ही टंगडार में गोलाबारी कर भारत में आतंकवादियों की घुसपैठ कराने की कोशिश कर रही थी, जिसे सेना ने नाकाम बना दिया था। इस दौरान एक मोर्टार सैन्य चौकी के पास फटने से दो सैनिक घायल हो गए। बाद में वे शहीद हो गए। शहीद जवानों की पहचान हवलदार पदम बहादुर श्रेष्ठ और राइफलमैन गामिल कुमार के रूप में हुई है। इस गोलाबारी में एक नागरिक मोहम्मद सादिक की भी मौत हुई थी। जबकि तीन नागरिक मोहम्मद मकबूल, मोहम्मद शफी और युसुफ हमीद घायल हुए हैं। इसके अलावा टंगडार के गुंडीशाह में पाक गोलाबारी में पांच मकानों के तबाह होने के साथ करीब 50 मवेशी भी मारे गए हैं। इसकी पुष्टि सेना की उत्तरी कमान के पीआरओ डिफेंस कर्नल राजेश कालिया ने भी की है।

तेल और गोला-बारूद का डिपो भी हुआ तबाह

सेना ने रविवार को सटीक प्रहार कर एथमुकाम में पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय को नुकसान पहुंचाने के साथ जूरा और कुंडल साही में पाकिस्तान के लांचिंग पैड तबाह कर दिए। सूत्रों के अनुसार, भारत की इस कार्रवाई में पाकिस्तान को भारी नुकसान हुआ। उसके कई सैनिक और आतंकी घायल भी हुए हैं। पाकिस्तानी सेना के छह वाहन और तीन इमारती ढांचे भी तबाह हो गए। बताया जा रहा है कि तबाह ढांचों में पाक सेना का तेल और एम्युनिशन डिपो (गोला-बारूद) भी था।

सात दिन में भारतीय सेना की दूसरी बड़ी कार्रवाई

भारतीय सेना ने सात दिन के भीतर नीलम घाटी में दूसरी बड़ी कार्रवाई की है। सेना ने गत शनिवार रात उड़ी में नियंत्रण रेखा पर गोलाबारी के जबाब में रविवार को पाक की तीन चौकियां उड़ाने के साथ हाजीपीर में जैश के कैंप को तबाह कर दिया था। यह कार्रवाई भी जवान संतोष गोप की शहादत के बाद की गई थी। इसमें भी कई पाकिस्तानी सैनिक व आतंकी मारे गए थे।

जम्मू-कश्मीर में सीमा पर हाई अलर्ट

भारतीय सेना की कार्रवाई के बाद जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा और अंतराष्ट्रीय सीमा पर हाई अलर्ट है। सेना और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान पाकिस्तान की किसी भी प्रकार की हिमाकत का जवाब देने के लिए तैयार हैं। हालात को देखते हुए बारामुला और कुपवाड़ा में एलओसी के साथ सटे इलाकों में रहने वाले कई ग्रामीणों ने सुरक्षित स्थानों पर शरण ले ली है।

हमने उन जगहों को निशाना बनाया जहां से घुसपैठ होती है

नई दिल्ली में पत्रकारों को सैन्य कार्रवाई की जानकारी देते जनरल बिपिन रावत। एनएनआइ

थलसेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने कहा कि भारतीय कार्रवाई में छह से 10 पाक सैनिकों के साथ बड़ी संख्या में आतंकी भी मारे गए हैं। आतंकियों के तीन लांचिंग पैड तबाह हुए हैं, जबकि एक को भारी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा, पाक बर्फबारी से पहले आतंकियों की घुसपैठ कराना चाहता है। हमने उन्हीं जगहों को निशाना बनाया, जहां से आतंकियों की घुसपैठ कराई जाती है। रावत ने पाक के इस दावे को झूठ बताया कि उसने नौ भारतीयों सैनिकों की जान ली है। उन्होंने कहा, हम अपने जवानों की शहादत का सम्मान करते हैं, पाक सेना की तरह उसे छिपाते नहीं।

भारत की कार्रवाई पर विशेष पेज>>5

सरोकार

बेसहारा बच्चों का जीवन संवार रहे कांस्टेबल धर्मवीर

जयपुर : राजस्थान के चुरू थाने में तैनात कांस्टेबल धर्मवीर जाखड़ गरीब और बेसहारा बच्चों का जीवन संवारने में जुटे हैं। उन्होंने अपनी पाठशाला नाम से स्कूल खोल रखा है। वह यहां बच्चों को मुफ्त में शिक्षा देते हैं। यही नहीं, वेतन का 20 फीसद हिस्सा भी बच्चों पर खर्च करते हैं। (पेज-11)

जागरण विशेष

ऐसा लिक्विड, जो नहीं होने देगा टायर को पंक्चर

रायपुर : छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के निवासी मैकेनिक तुका लाल वर्मा ने ऐसा लिक्विड तैयार किया है जो कील लगने के बाद भी गाड़ी के टायर को पंक्चर नहीं होने देता। छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद ने इस लिक्विड को पेटेंट कराने का आवेदन दिया है। (पेज-10)

चीन छोड़ रही कंपनियों के लिए ब्लूप्रिंट तैयार करेगा भारत

वाशिंगटन : केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चीन छोड़ने पर विचार कर रही कंपनियों को भारत लाने के लिए ब्लूप्रिंट तैयार करने की बात कही है। उन्होंने कहा, जो इंडस्ट्री लीडर अपने व्यापार को चीन से निकालकर कहीं और स्थापित करना चाहते हैं, वे निश्चित तौर पर भारत में संभावनाएं तलाशेंगे। इसलिए जरूरी है कि सरकार इस ओर ध्यान दे और इंडस्ट्री के लीडर्स से मिलकर उन्हें भारत में आने का निमंत्रण दे। निर्मला ने कहा, वह ऐसी ग्लोबल कंपनियों की पहचान करेंगी जो चीन से बिजनेस समेट रही हैं या इस पर विचार कर रहीं हैं। वह ऐसी कंपनियों को आश्वस्त करेंगी कि भारत निवेश के लिए बेहतर जगह है। उन्होंने कहा, हम सिर्फ अमेरिका-चीन में चल रहे टकराव को देखकर फैसले नहीं लेंगे। (पेज-12)

जब्त होगा राकांपा नेता प्रफुल्ल का सीजे हाउस

- इकबाल मिर्ची की जमीन पर बना है वर्ली स्थित 15 मंजिला सीजे हाउस
- ईडी के पास मौजूद दस्तावेजों को नकार नहीं पाए पूर्व केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री
- देश-विदेश में फैली दो हजार करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों को जब्त करने की तैयारी

प्रफुल्ल पटेल फाइल फोटो

राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल का वर्ली स्थित सीजे हाउस का फाइल फोटो। (ट्विटर से)

नीलू रंजन, नई दिल्ली

पूर्व केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री प्रफुल्ल पटेल का मुंबई के पॉश इलाके वर्ली स्थित सीजे हाउस जब्त होगा। मनी लांड्रिंग रोकथाम कानून के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जल्द ही सीजे हाउस को जब्त करने की तैयारी में है। आरोप है कि प्रफुल्ल पटेल परिवार की कंपनी मिलेनियम डेवलपर्स ने ड्रग तस्कर इकबाल मिर्ची की जमीन पर 15 मंजिले सीजे हाउस का निर्माण किया था। शुक्रवार को पूछताछ के दौरान प्रफुल्ल पटेल ईडी के पास मौजूद दस्तावेजों को नकार नहीं सके।

ईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार पूछताछ के दौरान प्रफुल्ल पटेल ने एक तरह से स्वीकार कर लिया है कि वर्ली स्थित यह प्लॉट इकबाल मिर्ची का है। उनकी सफाई सिर्फ इतनी थी कि उन्हें यह पता नहीं था कि इकबाल मेमन ही दाऊद इब्राहिम का दाहिना हाथ माने जाने वाला और उसके ड्रग तस्करी के पूरे धंधे को संभालने वाला इकबाल मिर्ची है। इससे प्रफुल्ल पटेल परिवार की ओर से किए जा रहे इस दावे की भी हवा निकल गई कि यह जमीन 1963 से उनके पास थी और इसका इकबाल मिर्ची से कोई लेना-देना नहीं है।

वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार एक बार यह साबित होने के बाद कि सीजे हाउस दरअसल इकबाल मिर्ची की जमीन खड़ा है उसे जब्त करने का रास्ता खुल जाता है। उन्होंने कहा कि सीजे हाउस ही नहीं, इकबाल मिर्ची की मुंबई स्थित अन्य बेनामी संपत्तियों की भी जांच चल रही है और उन्हें भी जब्त किया जाएगा। इसके बाद दुबई और लंदन स्थित संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। ईडी का कहना है कि इकबाल मिर्ची ने ये सारी संपत्तियां ड्रग तस्करी के धंधे से हुई काली कमाई से बनाई थीं और मनी लांड्रिंग रोकथाम कानून के तहत इन्हें जब्त करने का प्रावधान है।

मिर्ची परिवार की दो हजार करोड़ की संपत्तियों का पता चला

ईडी अभी तक इकबाल मिर्ची की देश-विदेश में स्थित दो हजार करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों का पता लगा चुकी है। ईडी के पास मौजूद दस्तावेजों के अनुसार सीजे हाउस ही नहीं, वर्ली में ही सनब्लिंक रियल्टर्स को दिया गया प्लॉट भी इकबाल मिर्ची का ही है। इसके अलावा खंडाला में छह एकड़ जमीन पर बना एक बंगला, वर्ली में ही साहिल बंगला, बायकुला की न्यू रोशन टॉकीज, क्रॉफर्ड मार्केट में तीन दुकानें, जुहू तारा रोड पर मीनाज होटल और पंचगनी में बंगला भी इकबाल मिर्ची का ही है।

इकबाल मिर्ची परिवार की ब्रिटेन और यूएई में हैं कई संपत्तियां पेज>>3

देश के भविष्य का ध्यान रखे कोर्ट : मुस्लिम पक्ष

माला दीक्षित, नई दिल्ली

अयोध्या की पुकार

- आलोचना के बाद मुस्लिम पक्ष ने सार्वजनिक की अपनी वैकल्पिक राहत
- मोल्डिंग ऑफ रिलीफ में बहु धर्म और बहु सांस्कृतिक मूल्यों की दी दुहाई

अयोध्या राम जन्मभूमि पर मालिकाना हक का दावा कर रहे छह मुस्लिम पक्षकारों ने सुप्रीम कोर्ट में मोल्डिंग ऑफ रिलीफ यानी वैकल्पिक राहत पर पक्ष रखते हुए कहा है कि फैसला कुछ भी हो इसका असर भावी पीढ़ियों और देश की राजनीति पर पड़ेगा। लिहाजा, फैसला देश के भविष्य का ध्यान रखकर लें। कोर्ट विवाद का हल निकालते समय बहु धर्म और बहु सांस्कृतिक मूल्यों को कायम रखे। मुस्लिम पक्ष ने कोर्ट को संविधान का प्रहरी बताते हुए कहा है कि वैकल्पिक राहत पर विचार करते समय ख्याल रखा जाए कि आने वाली पीढ़ियां इस फैसले को कैसे देखेंगी।

मुस्लिम पक्ष के छह अपीलकर्ताओं की ओर से शनिवार को सीलबंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट में वैकल्पिक राहत की मांग दी गई थी। मुस्लिम पक्ष की ओर से सीलबंद लिफाफे में वैकल्पिक राहत दाखिल करने पर हिंदू पक्ष ने एतराज जताया था और इस बाबत सुप्रीम कोर्ट के सेक्रेट्री जनरल को पत्र भी दिया था। इसके बाद मुस्लिम पक्ष ने रविवार को हिंदू पक्ष के वकीलों को वैकल्पिक राहत का कोर्ट में दिया गया ब्योरा उपलब्ध कराया। सुन्नी वक्फ बोर्ड की एक अपील में वकील शकील अहमद सहित कुल पांच वकीलों एजाज मकबूल, एमआर शमशाद, इरशाद अहमद और फुजैल अहमद की ओर से वैकल्पिक राहत की मांग पर बयान जारी किया गया है।

इसमें मुस्लिम पक्षकारों ने कोर्ट से वैकल्पिक राहत पर कहा कि इस मामले में कोर्ट का फैसला जो भी हो, लेकिन उसका भावी पीढ़ियों पर असर होगा। देश की राजनीति भी प्रभावित होगी। फैसले का उन लाखों नागरिकों के मन पर असर पड़ेगा जो उन संवैधानिक मूल्यों में विश्वास करते हैं, जिसे 26 जनवरी 1950 को भारत को पूर्ण गणतंत्र घोषित करते वक्त अपनाया गया था। मुस्लिम पक्षकारों का कहना है कि इस फैसले के दूरगामी परिणाम होंगे इसलिए कोर्ट वैकल्पिक राहत को इस तरीके से तय करे जिसमें वे संवैधानिक मूल्य परिलक्षित हों जिन्हें देश ने अपनाया है। कोर्ट संविधान का प्रहरी है और वैकल्पिक राहत तय करना उसकी जिम्मेदारी है। मुस्लिम पक्ष में सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की एक अपील में वकील सैयद शाहिद रिजवी ने अलग से वैकल्पिक राहत दाखिल कर कहा कि कोर्ट अनुच्छेद 142 में प्राप्त विशेष शक्तियों का इस्तेमाल कर देशहित में फैसला दे। जबकि सुन्नी वक्फ बोर्ड की दूसरी अपील में वकील शकील अहमद सईद ने बाकी मुस्लिम पक्षों के साथ उपरोक्त नोट ही कोर्ट को दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने गत 16 अक्टूबर को मामले में फैसला सुरक्षित रखते वक्त सभी पक्षकारों को तीन दिन के भीतर वैकल्पिक राहत के बारे में लिखित नोट दाखिल करने की छूट दी थी। इसके बाद हिंदू-मुस्लिम सभी पक्षों ने शनिवार को वैकल्पिक राहत पर अपना पक्ष कोर्ट में दाखिल किया था। हिंदू पक्ष की ओर से दाखिल वैकल्पिक राहत में पूरी जमीन रामलला विराजमान को देने की बात कही है और कोर्ट से विशेषाधिकार का इस्तेमाल कर पूर्ण न्याय करने की गुहार लगाई है।

हिंदू महासभा ने कहा, मांग का कोई मतलब नहीं

नई दिल्ली, ब्यूरो : अयोध्या विवाद में फैसला देते वक्त देश की बहुधर्म और बहुसंस्कृति को ध्यान में रखने की मुस्लिम पक्ष की गुहार पर प्रतिक्रिया देते हुए हिंदू महासभा के वकील हरि शंकर जैन ने कहा कि इन बातों का कोई कानूनी अर्थ नहीं है। कोर्ट के समक्ष मुद्दा यह है कि राम जन्मभूमि का मालिक कौन है और कोर्ट उसी पर फैसला देगा। हिंदू महासभा का मानना है कि सारी जमीन के मालिक भगवान रामलला हैं और उनके सिवा किसी और को मालिक नहीं घोषित किया जा सकता। वैकल्पिक राहत का इस मामले में सिर्फ इतना अर्थ है कि रामलला को मालिक घोषित करने के बाद वहां का प्रशासन और प्रबंधन कौन देखे। इस संबंध में या तो कोर्ट स्वयं प्रशासन और प्रबंधन के लिए कोई ट्रस्ट बना दे या फिर रिलीजियस इंडोवमेंट एक्ट 1890 की धारा 5 के तहत वह केंद्र सरकार को ऐसा करने को कहे। इसके बाद केंद्र सरकार वहां के बेहतर प्रबंधन और प्रशासन के लिए कोई ट्रस्ट गठित कर दे।

पैगंबर के खिलाफ फेसबुक पोस्ट से बांग्लादेश में हिंसा, पुलिस फायरिंग में चार की मौत

ढाका, प्रेट्र : बांग्लादेश में धार्मिक तिरस्कार से संबंधित फेसबुक पोस्ट के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस फायरिंग में चार लोग मारे गए हैं जबकि 50 घायल हुए हैं। फेसबुक पर पोस्ट एक हिंदू व्यक्ति ने की थी जबकि प्रदर्शनकारी सैकड़ों की संख्या में एकत्रित मुस्लिम थे।

हिंसा की घटना ढाका से 116 किलोमीटर दूर भोला जिले में हुई। मुस्लिम तवाहिदी जनता के बैनर तले आयोजित विरोध प्रदर्शन में सैकड़ों लोग फेसबुक पर पैगंबर के खिलाफ टिप्पणी करने वाले हिंदू व्यक्ति पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे। जिस हिंदू व्यक्ति के फेसबुक अकाउंट से विवादित पोस्ट हुई है, पुलिस ने सुरक्षा की दृष्टि से उसे पहले ही हिरासत में ले लिया था। निशाने पर आए व्यक्ति ने पैगंबर के खिलाफ कोई पोस्ट करने से इन्कार किया है। उसने कहा है कि उसका फेसबुक अकाउंट हैक कर लिया गया था, जिसकी शिकायत उसने पुलिस से की थी। उसकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने अकाउंट हैक करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार भी किया था।

- अकाउंट हैक कर की गई थी टिप्पणी

पता चला है कि फेसबुक पोस्ट के चर्चा में आने के बाद शुक्रवार को इलाके में तनाव पैदा हो गया। शनिवार को इलाके के बुजुर्गों और स्थानीय अधिकारियों ने बैठक कर तनाव को खत्म करने की कोशिश की लेकिन रविवार को कुछ कट्टरपंथी एकजुट हो गए और उनके नेतृत्व में हिंसक प्रदर्शन शुरू हो गया। इस दौरान पुलिसकर्मियों पर हमले शुरू हो गए और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जाने लगा। भोला के पुलिस प्रमुख सरकार मुहम्मद कैसर ने बताया है कि आत्मरक्षा में की गई पुलिस फायरिंग में चार लोग मारे गए हैं जबकि पूरी वारदात में 50 लोग घायल हैं। घायलों में प्रदर्शनकारियों के हमले में घायल लोग भी शामिल हैं।

कमलेश हत्याकांड : लखनऊ के होटल से मिला चाकू और खून से सना कुर्ता

लखनऊ : कमलेश तिवारी के हत्यारे लखनऊ के लालकुआं के गुरु गोबिंद सिंह मार्ग स्थित होटल खालसा इन में ठहरे थे। हत्याकांड को अंजाम देने के बाद दोनों होटल पहुंचे थे। उन्होंने कपड़े बदले और निकल गए। शक होने पर मैनेजर ने कमरा खुलवाया तो बेड पर खून से सने भगवा रंग के दो कुर्ते मिले। तौलिया भी खून से सनी हुई थी। इसके बाद मैनेजर होटल मालिक और पुलिस को सूचित किया। (पेज-6)

दिल्ली में रेलवे ट्रैक पर मिला प्रोफेसर का शव, घर में पंखे से लटकी मिली मां

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली में सेंट स्टीफंस कॉलेज के प्रोफेसर का शव रविवार को रेलवे ट्रैक के पास क्षत-विक्षत हालत में मिला है, जबकि उनकी मां का शव फ्लैट में पंखे से लटकता मिला। महिला की हत्या कर शव लटकाए जाने की आशंका है। प्राथमिक जांच में मां-बेटे के बीच मनमुटाव के साथ ही प्रोफेसर द्वारा मां पर सुसाइड के लिए दबाव बनाने की बात भी सामने आई है। ऐसे में पुलिस प्रोफेसर द्वारा मां की हत्या कर आत्महत्या करने की आशंका जता रही है, लेकिन महिला के फ्लैट से दोनों का संयुक्त रूप से मलयालम में लिखा एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें महिला के दूसरे पति के परिजनों को आत्महत्या के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है।

पुलिस के मुताबिक, केरल के कोट्टायम निवासी लिसी (55) अपने बेटे एलन स्टेलनी (25) के साथ पीतमपुरा इलाके के आशियाना अपार्टमेंट में फ्लैट नंबर 17 में रहती थीं। एलन सेंट स्टीफंस कॉलेज में एडॉक पर दर्शनशास्त्र के सहायक प्रोफेसर थे। शनिवार दोपहर करीब डेढ़ बजे उनके एक जानकार फ्लैट पर मिलने के लिए गए थे। अंदर से जबाव नहीं मिलने पर उन्होंने गेट पर धक्का दिया तो वह खुल गया। अंदर कमरे में लिसी का शव पंखे से लटक रहा था। उन्होंने तुरंत पड़ोसियों व सुरक्षा गार्ड को बुलाया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस उनके बेटे से संपर्क करने की कोशिश कर ही रही थी। इसी बीच सराय रोहिल्ला स्टेशन के पास रेलवे लाइन पर एलन का शव मिलने की सूचना मिली। रेलवे पुलिस ने स्टेलनी की पहचान जेब में मिले ड्राइविंग लाइसेंस व मोबाइल फोन से की। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को जांच में पता चला है कि लिसी ने दो शादियां की थीं। पहली शादी स्टेलनी अब्राहम से की थी, जिनसे एलन सहित दो बेटे पैदा हुए। पहले पति की मौत के बाद 2018 में लिसी ने दूसरी शादी की, लेकिन दूसरे पति की भी संदिग्ध हालात में मौत हो गई। दूसरे पति के परिजन लिसी व एलन को उनकी मौत का जिम्मेदार मानते हैं। इसी के चलते दोनों के खिलाफ केरल में आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। इस मामले में दोनों ने अग्रिम जमानत ले रखी थी।

सख्त रुख

भारतीय सेना की ओर से रविवार को की गई कार्रवाई का साफ संदेश है कि आतंकवाद के खिलाफ नए भारत में लड़ने की क्षमता भी है और साहस भी

पाक व उसके हमदर्द देशों को संदेश है सैन्य कार्रवाई

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- हाल में प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान से कहा था, 'मोदी जो कहता है वह करता है'
- गुलाम कश्मीर में सैन्य कार्रवाई का अर्थ यह भी है कि वह क्षेत्र भारत का हिस्सा है

पहले सर्जिकल स्ट्राइक, फिर एयर स्ट्राइक और अब पाकिस्तान के कब्जे वाले गुलाम कश्मीर में आतंकियों पर भीषण गोलाबारी करके भारत ने स्पष्ट संदेश दे दिया है कि वह अपनी लड़ाई लड़ने में सक्षम भी है और हर दुस्साहस का करारा जवाब देने का साहस भी रखता है। यह संदेश इसलिए खास है क्योंकि पिछले दिनों में पाकिस्तान न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर का रोना रोता रहा बल्कि खुले तौर पर न्यूक्लियर वार की धमकी भी देता रहा है। माना जा रहा है कि भारत का संदेश न सिर्फ पाकिस्तान के लिए है बल्कि उन देशों के लिए भी है जो किसी खास नजरिए के कारण पाकिस्तान के साथ खड़े नजर आते हैं।

अभी दो दिन पहले ही हरियाणा की एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान को कहा था, 'मोदी जो कहता है वह करता है।' यह बयान हालांकि पाकिस्तान में जा रहे पानी को रोकने के बयानों और उसके जवाब में पाक आकाओं की घुड़कियों से संबंधित था लेकिन रविवार को गुलाम कश्मीर में आतंकी लांच पैड को ध्वस्त करने को भी अब उसी से जोड़कर देखा जा रहा है। दरअसल पाकिस्तान के बालाकोट पर एयर स्ट्राइक के बाद ही सरकार की ओर से यह स्पष्ट कहा गया था कि भारत अब सिर्फ हमलों से बचाव नहीं करेगा, बल्कि हमलों को रोकने के लिए घुसकर वार भी करेगा। मोदी सरकार में यह 'न्यू नार्मल' (यानी मौजूदा समय में सामान्य बात) हो गया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह कहते रहे हैं कि भारत पाकिस्तानी आतंकियों का समूल नष्ट करने के लिए तैयार है। हाल में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पोखरण में एक बयान दिया था कि पहले परमाणु हथियार इस्तेमाल न करने की नीति पर परिस्थितियों के अनुसार विचार किया जाएगा। दरअसल, केंद्र सरकार के शीर्ष नेतृत्व की ओर से पाकिस्तान के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी बेहिचक यह संदेश दिया जा रहा है कि भारत हर स्थिति से निपटने में सक्षम है और अपने हितों की रक्षा के लिए किसी भी दबाव में आए बगैर कार्रवाई करेगा। कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद से ही यह खुफिया जानकारी मिल रही थी कि गुलाम कश्मीर में आतंकियों का फिर से जमावड़ा हो रहा है और पाक उनकी भारत में घुसपैठ कराने की फिराक में है। कुछ इसी इरादे से एक दिन पहले पाक की ओर से सीमा पर गोलीबारी की गई थी। कुछ दिनों पहले गुलाम कश्मीर में रैली कर प्रधानमंत्री इमरान खान ने भी भारत को धमकी ही दी थी। ऐसे में वक्त रहते ही भारतीय सैनिकों ने सीमा पार कई आतंकी अड्डे तबाह कर दिए।

गुलाम कश्मीर में कार्रवाई का खास संदेश भी है। भारत की ओर से बार-बार कहा जाता रहा है कि गुलाम कश्मीर भारत का हिस्सा है। शाह की ओर से संसद के अंदर भी गुलाम कश्मीर के साथ-साथ अक्साई चिन लेने की बात कही गई थी। हाल में मोदी कैबिनेट ने यह निर्णय भी लिया कि गुलाम कश्मीर से आकर कश्मीर में बसने वाले उन लोगों को भी नागरिक अधिकार दिए जाएंगे जो पहले किसी दूसरे राज्य में जाकर रुके थे। इन कदमों से पाक और भी बौखलाया हुआ है। वहीं मोदी ने संयुक्त राष्ट्र में साफ कर दिया कि भारत अपनी रक्षा करने के लिए कृतसंकल्प है और संयुक्त राष्ट्र को याद रखना चाहिए कि उसका जन्म किस लिए हुआ है।

महाराष्ट्र व हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए मतदान आज

मुंबई, प्रेट्र : हरियाणा व महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए सोमवार को मतदान होगा। साथ ही उप्र समेत 18 राज्यों में विधानसभा की 51 व लोकसभा की दो सीटों (महाराष्ट्र की सतारा व बिहार की समस्तीपुर) के लिए हो रहे उपचुनाव में भी वोट डाले जाएंगे। महाराष्ट्र, हरियाणा, और उत्तर प्रदेश में भाजपा की प्रतिष्ठा दांव पर है। लोकसभा चुनाव में मिली भारी जीत के बाद उसके और सहयोगी दलों के सामने सत्ता को बचाए रखने की चुनौती है। वहीं विपक्ष सत्ता विरोधी लहर की उम्मीद में सरकार में वापसी की आस लगाए बैठा है।

महाराष्ट्र में 288 सीटों के लिए भाजपा-शिवसेना गठबंधन और कांग्रेस-राकांपा गठबंधन के बीच मुख्य मुकाबला है। भाजपा 150 और शिवसेना 124 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस 147 और राकांपा 121 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। महाराष्ट्र में 235 महिलाओं समेत कुल 3,237 प्रत्याशी मैदान में हैं। लगभग नौ करोड़ मतदाता इनके भाग्य का फैसला करेंगें।

- महाराष्ट्र में 288, हरियाणा में 90 सीटों पर भाजपा व कांग्रेस गठबंधन के बीच टक्कर
- लोस की दो और विधानसभा की 51 सीटों के लिए उपचुनाव में आज डाले जाएंगे वोट

हरियाणा की 90 सीटों के लिए कुल 1,169 प्रत्याशी मैदान में हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने 75 सीटों पर जीत का लक्ष्य रखा है। सूबे के 1.83 करोड़ मतदाता 19,578 केंद्रों पर मतदान करेंगे। ध्यान रहे उपचुनाव वाली विधानसभा की 51 से 30 सीटें भाजपा गठबंधन के पास थी। भाजपा और उसके सहयोगी दलों की सरकार वाले राज्यों में सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में 11, गुजरात में छह, बिहार में पांच, असम में चार और हिमाचल व तमिलनाडु में दो-दो सीटें हैं। (पेज-4 भी देखें)